

No. of Printed Pages : 10

BHMCT-103

B. A. (HONS.) (PERFORMING ARTS)

HINDUSTANI MUSIC

(BAPFHMH)

Term-End Examination

December, 2025

BHMCT-103 : FUNDAMENTALS OF

HINDUSTANI MUSIC

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

Note : *All questions are compulsory.*

1. Fill in the blanks with appropriate words from the options given below : 2×10=20

(Options : Vishnu Digambar Paluskar, Sangeet Parijat, Shuddha Gandhar, Kafi, Margi, Sharangdev, Sourindra Mohun Thakur, Shadj-Pancham Bhava, Kakali Nishad, Sangeet Ratnakar)

C-2220/BHMCT-103

P. T. O.

- (i) music was sung following some special rules and it was dear to God.
- (ii) In ancient times there were only two Vikrita Swaras—Antar Gandhara and
- (iii) The distance between two notes having an interval of 13 Shruti was called
- (iv) By the time of Natyashastra, Gram had become obsolete.
- (v) The author of 'Sangeet Ratnakar' is
- (vi) The name of an instrument called Jalyantra, similar to the modern Jaltarang, is first mentioned in the medieval text
- (vii) The medieval ten-fold Raga classification system is mentioned in the book

(viii) The efforts of
 in introducing the
 harmonium instrument to the common
 people are noteworthy.

(ix) The ticket system for watching a
 performance of classical music was first
 introduced by

(x) Raga Desh is a Raga of Thaata.

2. Match the followings : 1×10=10

- | | |
|--------------------------------|--------------------------------------|
| (i) Sourindra Mohun Thakur | (a) Sangeet Parijat |
| (ii) William Jones | (b) The Music of Hindustan |
| (iii) Fox Strangeways | (c) On the Musical Modes of Hindus |
| (iv) Vishnu Narayan Bhatkhande | (d) A Treatise on the Music of India |

- | | |
|---------------------------------|---|
| (v) Parshvadev | (e) The Music of India |
| (vi) Pt. Ahobal | (f) Introduction to the Study of Indian Music |
| (vii) E. Clements | (g) Kramik Pustak Malika |
| (viii) Vishnu Digambar Paluskar | (h) The Universal History of World Music |
| (ix) Captain Willard | (i) Sangeet Samay Saar |
| (x) H. A. Pople | (j) Sangeet Baal Prakash |

3. Write short notes on any *five* of the following :

5×6=30

- (i) Anibaddha Gaan
- (ii) *Ten* characteristics of Jati
- (iii) Purvang Vadi Raga

- (iv) Moorchchhanas of Madhyam Gram
- (v) Shadj Gramin Shruti System by Bharat
- (vi) Description and Theka of any Taala of your syllabus
- (vii) According to Krishna Mat, six main Ragas and their Raginis.
- (viii) Features of Raag Alhaiya Bilawal

4. Answer any *two* of the following questions :

2×20=40

- (i) Describing the Sarana Chatushtaya process introduced by Bharat, explain in detail which theory he tried to clarify.
- (ii) Briefly describe Sangeet Ratnakar.
- (iii) Describe the Thaata-Raaga classification introduced by Pt. Bhatkhande.
- (iv) Describe in detail the role of Raja Sourindra Mohun Thakur in the revival of Indian music.

BHMCT-103

बी. ए. (ऑनर्स) (प्रदर्शन कला) हिन्दुस्तानी संगीत

(बी. ए. पी. एफ. एच. एम. एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.एच.एम.सी.टी.-103 : हिन्दुस्तानी संगीत के मूल

सिद्धान्त

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. रिक्त स्थानों को नीचे दिए गए विकल्पों में से उचित शब्द द्वारा भरिए :

2×10=20

(विकल्प : विष्णु दिगम्बर पलुस्कर, संगीत पारिजात, शुद्ध गांधार, काफी, मार्गी, शारंगदेव, सौरीन्द्र मोहन ठाकुर, षड्ज-पंचम भाव, काकली निषाद, संगीत रत्नाकर)

- (i) संगीत किन्हीं विशेष नियमों का पालन करते हुए गाया जाता था और यह ईश्वर को प्रिय था।

- (ii) प्राचीन काल में केवल दो ही विकृत स्वर थे—अंतर गांधार तथा ।
- (iii) 13 श्रुतियों के अंतराल वाले दो स्वरों की दूरी को कहा जाता था ।
- (iv) नाट्यशास्त्र के समय तक ग्राम अप्रचलित हो चुका था ।
- (v) 'संगीत रत्नाकर' के रचयिता हैं ।
- (vi) आधुनिक जलतरंग से मेल खाता जलयंत्र नामक वाद्य का नाम सर्वप्रथम मध्यकालीन ग्रंथ में मिलता है ।
- (vii) मध्यकालीन दशविध राग वर्गीकरण पद्धति का उल्लेख ग्रंथ में मिलता है ।
- (viii) हारमोनियम वाद्य को साधारण लोगों से परिचित कराने में का प्रयास उल्लेखनीय है ।

(ix) शास्त्रीय संगीत के कार्यक्रम के प्रदर्शन को देखने के लिए टिकट व्यवस्था का प्रचलन सबसे पहले
..... द्वारा किया गया।

(x) राग देश थाट का राग है।

2. निम्नलिखित का मिलान कीजिए : 1×10=10

- | | |
|----------------------------|---|
| (i) सौरीन्द्र मोहन ठाकुर | (a) संगीत पारिजात |
| (ii) विलियम जोन्स | (b) म्यूजिक ऑफ हिंदुस्तान |
| (iii) फॉक्स स्ट्रेंगवेज | (c) ऑन द म्यूजिकल मोड्स ऑफ हिंदुज |
| (iv) विष्णु नारायण भातखंडे | (d) ए ट्रीटाइज ऑन द म्यूजिक ऑफ इंडिया |
| (v) पार्श्वदेव | (e) द म्यूजिक ऑफ इंडिया |
| (vi) पं अहोबल | (f) इन्ट्रोडक्शन टू द स्टडी ऑफ इंडियन म्यूजिक |

- | | |
|----------------------------------|---|
| (vii) ई. क्लीमेंट्स | (g) क्रमिक पुस्तक मालिका |
| (viii) विष्णु दिगम्बर
पलुस्कर | (h) द यूनिवर्सल हिस्ट्री ऑफ
वर्ल्ड म्यूजिक |
| (ix) कैप्टेन विलार्ड | (i) संगीत समय सार |
| (x) एच. ए. पोप्ले | (j) संगीत बाल प्रकाश |

3. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ
लिखिए : 5×6=30

- (i) अनिबद्ध गान
- (ii) जाति के दस लक्षण
- (iii) पूर्वांग वादी राग
- (iv) मध्यम ग्राह की मूर्च्छनाएँ
- (v) भरत द्वारा षड्ज ग्रामीण श्रुति व्यवस्था
- (vi) पाठ्यक्रम के किसी भी ताल का वर्णन और ठेका
- (vii) कृष्ण मत अनुसार छह मुख्य राग और उनके रागिनी
- (viii) राग अल्हैया बिलावल की विशेषताएँ

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2×20=40

- (i) भरत द्वारा प्रणीत सारणा चतुष्टयी प्रक्रिया का वर्णन करते हुए उन्होंने किस सिद्धांत को प्रतिपादित किया, विस्तारपूर्वक बताइए।
- (ii) संगीत रत्नाकर का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
- (iii) भातखंडे द्वारा प्रणीत थाट-राग वर्गीकरण का वर्णन कीजिए।
- (iv) भारतीय संगीत के पुनरुत्थान में राजा सौरीन्द्र मोहन ठाकुर की भूमिका का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

× × × × ×